PROGRAM: DIPLOMA CLASS – B.A. IInd Ye		CLASS – B.A. IInd Year	Semester - III <sup>rd</sup>	Session 2023-24		
		SUBJECT- BO	DTANY			
1.	Course Code	Course Code UPRINEL217				
2.	Course Title	Prir	ciples of organic Farmin	g		
3.	Course Type (Core Course Elective/Vocational/	,,	Generic Elective			
4.	Pre-requisite (if any)		This course is open for all students who have passed first year / certificate			
5.	Course learning outcomes (CLO)		<ul> <li>This course will help to become self-dependent in the professional and skill-oriented field of Organic farming.</li> <li>It also provides comprehensive professional knowledge of sustainable agricultural practices, professional skills for farm business with latest applications of principles and practices.</li> <li>It will develop employability skills as an entrepreneur and as potential commercial organic material producer.</li> <li>Students may develop own farm, can seek opportunities as organic farming trainer or demonstrator, organic produce supplier, organic farm manager and in the field of orchard development and management.</li> <li>Develop analytical skills for profitable business.</li> </ul>			
6.	Credit Value	4 C	edits			
7.	Total Marks	40+	60=100			
	Part -	B Content of the Course				
	Total No. of Lectures-	60 Hours Tutorials- 0 Praction	al=0 (Theory 2 hours per	week):		
Unit		Topics		No. of Lectures		
•	<ul><li>1.2 Scope at Nationa</li><li>1.3 Benefits and need and organic farmi</li><li>1.4 Principles, types</li><li>1.5 National and Integrelated to organi</li></ul>	<ol> <li>Organic Farming:         <ol> <li>Definition, concept and development.</li> <li>Scope at National and International level.</li> <li>Benefits and need, comparison between conventional farming and organic farming.</li> </ol> </li> <li>Principles, types of organic farming and biodynamic farming.</li> <li>National and International status. Agencies and Institutions related to organic farming in India.</li> <li>Requirements: tools and improved mechanical equipments.</li> </ol>				
II	1. Organic farming systems:  1.1 Land preparation in organic farming.  1.2Seed treatments in organic farming.  1.3 Green maturing, composting- Principles, stages, types and factors, composting methods, Vermicomposting.			15		

	1.4 Bio-fertilizers- types, methods of application, advantages and				
	disadvantages.				
	1.5Pure organic farming and Integrated Intensive Farming System (IIFS).				
III	1 Plant protection and organic production:				
	1.1 Herbal pesticides and insecticides				
	1.2 Common diseases, and weed management,				
	1.3 Biological control of pests.				
	1.4 Basic production principles different organic crop production				
	practices.				
	1.5 Preparation of planting calendar and its understanding.				
	1.6 Crop cycle and cropping systems.				
	1.7 Modern irrigation techniques, harvesting, post- harvesting strategies,				
	storage, packaging, transport and supply.				
IV	1. Farm economy and future trends:				
	1.1 Basic concept of farm economics- demand and supply.				
	1.2 Production cost and marketing strategies.				
	1.3 Use of IT in organic farming(weather, agriculture	15			
	and market related information and Apps).				
	1.4 Organic certification (policy and process).				
	1.5 Indian standards, government subsidies.				
	1.1 Keywords/Tags: Organic Farming, Biodynamic Farming, Green maturing				
	osting. Bio-fertilizers, Integrated Intensive Farming System (IIFS). Herbal pestion	cides and insecticides,			
agricul	tural apps, Organic certification				
	Part C-Learning Resources				
	Text Books, Reference Books, Other resources				
	Suggested Readings:				
	1 Dahama A. K. Organic Farming, Agro Botanica Pub., Bikaner, 2nd edn., 19				
	2 Arnason, J.T., Philogene, B.J.R. and Morland, P. Insecticides of Plant Origin, American Chemical				
	Society, Washington, D.C., 1989.				
	3 Bhardwaj, K.K.R. and Gaur, A.C. Recycling of organic wastes, ICAR, New D				
	4 Atwal, AvtarSingh, Agricultural pests of India and South-East Asia, Kalyani Pub., N. Delhi, 1986.				
	5 Nair, M. R. Insects and Mites of crops in India, ICAR, New Delhi, 1986.				
	6 Singh Parihar R.B. Jaivikkheti, KrishakDoot Publication, Bhopal, 2009.				
	7 Palaniappan S.P. and Annadurai K. Organic farming, Scientific Pub. (India), 2018. 8 Masanobu Fukuoka, The natural way of farming: The Theory and Practice of Green Philosophy, Bookventure Pub., Madras, 1985. 9 Maliwal P. L., Principles of Organic Farming: Textbook, Scientific Pub. (India),2020.				
	10 Bansal M., Basics of Organic Farming, CBS Pub., N. Delhi, 2020.	114),2020.			
	To ballsal W., basics of Organic Farming, CB3 Fub., N. Dellil, 2020.				
	Suggested Web links:				
	1. https://www.coabnau.in/uploads/1587019407 Principlesoforganicfarming.pdf				
	2.https://apeda.gov.in/apedawebsite/organic/organic_contents/Appendix_1_Crop%20ProductionPdf				
	Suggested Continuous Evaluation Methods:				
	Maximum Marks – 100 (CCE):40, University Exam(UE):60				

क्रिक्रम डिप्लोम  कक्क्ष  विषय वनस्पति शास्त्र   1. पाठ्यक्रम का कोड   UPRINEL217     2. पाठ्यक्रम का श्रेष   जैविक खेती के सिद्धांत     3. पाठ्यक्रम का श्रेष शास्त्र   अपिक्टबर्ग्यं से कोई को विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को श्रेष हो   पाठ्यक्रम को श्रेष     4. पूर्व पेक्षा   पाठ्यक्रम की परिलिच्यां (कोई हो   पाठ्यक्रम को ते सकता है.     5. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलिच्यां (कोई लीं आउटकम )   व्यह पाठ्यक्रम जैविक खेती के रोजगार मुख और कौशत उन्मुख क्षेत्र में आत्मिनिर्भर बनाने में सहायक होगा.     • यह सिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं के विकास अगुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं कि विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं कि नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विभाग स्वाध के लिए विकास और प्रवंधन के क्षेत्र अपसर्ध की तिकास या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेती प्रशिक्ष का या प्रदर्शक, जैविक क्रिया कर सकते हैं जैविक खेती स्वाध के स्वाध के लिए विश्लेष्णातमक क्षेत्र क्रिया के अवकास का स्वध के स्वाध के लिए विश्लेष्णातमक क्षेत्र का सहस्या के लिए विश्लेष्णातमक क्षेत्र का स्वध का स		भाग अ परिचय					
विषय वनस्पति शास्त्र   पाठ्यक्रम का कोड   UPRINEL217     पाठ्यक्रम का शीर्षक   जीविक खेती के सिद्धांत     पाठ्यक्रम का प्रकार: कोर कोर्स / एलेक्टिव/जेनिरिक/वोकेशनल     पूर्व पेक्षा यदि कोई हो   पाठ्यक्रम को प्रतिक्रिवा     पाठ्यक्रम को प्रवाद की परिलिख्यां (कोर्स लिंग आउटकम )   सही के लिए खुला है किसी भी संकाय से कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को ले सकता है.     पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलिख्यां (कोर्स लिंग आउटकम )   यह पाठ्यक्रम जीविक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आत्मिनिंग सहायक होगा.   यह सिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत कृषि विधाओं कि विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत कृषि विधाओं के कि व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.   यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.   धार अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तकर्ता, जैविक खेत प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तकर्ता, जैविक खेत में अवसर्र की तलाश कर सकते हैं   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक विकस्त करता है   यह लाभदायक विवस्त करता है   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है   यह लाभदायक विकस्त करता है   यह लाभदायक विवस्त करता विवस्त करता है   यह लाभदायक विवस्त करता वि	कार्यक्र					सत्र 2023-24	
2.       पाठ्यक्रम का प्रकार: कोर कोर्स / एलेक्टवाजेनरिक/वोकेशनल       सामान्य वैकल्पिक         4.       पूर्व पेक्षा यदि कोई हो       सझी के लिए खुला है किसी भी संकाय से कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को ले सकता है.         5.       पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलिड्धयां (कोर्स लर्निंग आउटकम )       यह पाठ्यक्रम जैविक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आत्मिक्षेत्र बनाने में सहायक होगा.       • यह पिधान्तों और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रिष विधाओं कृषि व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित ज्ञान प्रदान करता है.       • यह एक उध्मी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकासत करेगा.       • खह एक उध्मी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकासत करेगा.       • यह एक उध्मी और लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित ज्ञान प्रदान करता है.       • यह एक उध्मी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री अपसा प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत सि ति लाश कर सकते हैं.       • यह लाअदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकास में अवस्था कि ति लाश कर सकते हैं.       • यह लाअदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकास में अवस्था कि कुल संख्या - 60: L-T-P:       च्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:       च्याख्यान की संख्या         इकाई       विषय       व्याख्यान की संख्या       1.3 विकास खेती         1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास 1.2 रास्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रेस खेती के बीच तुलता.       1.4 सिद्धांत,प्रकार और बारायेडा सामग्री कि खेती.       1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थिति कारते में जैविक खेती से सम्बंधित एजेक्स खेती और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थिति कारते थेती.       1.5 विकास खेती प				विषय वन			
3. पाठ्यक्रम का प्रकार: कोर कोर्स / एलेक्टिव/जेनरिक/वोकेशनल 4. पूर्व पेक्षा यदि कोई हो पाठ्यक्रम को परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  5. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  4. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  5. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  4. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  5. पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लिंग आउटकम )  4. यह पाठ्यक्रम कीवक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आत्मिकीर बनाने में सहायक होगा.  5. यह एक उधमी और लिंघाओं के नवीनतम अनुपर्योग के साथ सतत क्रिष विधाओं के विवादमाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.  6. यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षन या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रशिक्ष कोर में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  6. यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रिडेट मान 4 क्रिडेट विक्य पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब्राह्म की विषय वस्तु भाग - ब्राह्म की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1. जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिंब्रांत,प्रकार और बायांडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थिति भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.	1.	पाठ्यक्रम का कोड UPRINEL21			NEL217		
एर्लिक्टवा/जेनिरक/वोकेशनल   स्मी के लिए खुना है किसी भी संकाय से कोई भी विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम को ले सकता है.   पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलव्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम )   यह पाठ्यक्रम जैविक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आत्मिकींर बनाने में सहायक होगा.   यह पिधान्तों और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोंग के साथ सतत कृषि विधाओं के विवासम अनुप्रयोंग के साथ सतत कृषि विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोंग के साथ सतत कृषि विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोंग के साथ सतत कृषि विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोंग के साथ सतत कृषि विधाओं के स्वावत्माय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित नाम प्रदान करता है.   यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकिसत करेगा.   छात्र अपना खेत विकिसत कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तताश कर सकते हैं.   यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्तेष्णात्मक कौशल विकिसत करता है   विकास जिल्ला करता है   विकास अर्थ किता करता है   विकास विश्वय वस्तु भाग - ब व्याख्यान की कृत संख्या - 60: L-T-P: हकाई विक्य व्याख्यान की संख्या   विकास वित्र विवास खेती   1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास   1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र   1.3 त्राक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र   1.3 त्राक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय वस्तु स्थित करने बीत के बीच तुलना.   1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोशयानािक खेती   1.5 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वस्तु स्थित कारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.   1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.	2.			जैविक खेती के सिद्धांत			
4.       पूर्व पेक्षा यदि कोई हो       सभी के लिए खुला है किसी भी संजाय से कोई भी विद्यार्थीं इस पाठ्यक्रम को ले सकता है.         5.       पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम )       यह पाठ्यक्रम जैविक खेती के रोजगार मृख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आत्मिनभैर बनाने में सहायक होगा.       • यह पिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत कृषि विधाओं कृषि व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित जानि प्रदान करता है.       • यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.         • छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.       • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .         6.       क्रिडट मान       4 क्रिडिक पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब       व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:         इकाई       विषय       व्याख्यान की संख्या         1. जैविक खेती 1.1 - पिरभाषा, अवधारणा और विकास 1.2 रास्ट्रीय और आवश्यकता, पारम परिक खेती के बीच तुलना. 1.4 सिद्धांतप्रकार और वायोडायनामिक खेती. 1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित कारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.       15	3.	पाठ्यक्रम का प्रकार: कोर कोर्स		सामान्य	सामान्य वैकल्पिक		
		/एलेक्टिव/जेनरिक/वोकेश	नल				
<ul> <li>पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम )          <ul> <li>यह पाठ्यक्रम औविक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र में आतमिनिर्भर बनाने में सहायक होगा.</li> <li>यह सिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयौग के साथ सतत क्रिष विधाओं के नवीनतम अनुप्रयौग के साथ सतत क्रिष विधाओं के विवासों कि ए व्यापक रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.</li> <li>यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.</li> <li>छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्ष या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रशिक्त विकसित कर सकते हैं.</li> <li>यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .</li> </ul> </li> <li>कति कडिट मान              <ul> <li>पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - व</li> </ul> </li> <li>विषय              <ul> <li>पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - व</li> </ul> </li> <li>विषय              <ul> <li>पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - व</li> </ul> </li> <li>ट्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:</li> <li>इकाई              <ul> <li>विषय</li> <li>पाठ्यक्रम की संख्या</li> </ul> </li> <li>1.5 पार्ट्यय और अंतर्ष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र              <ul> <li>पाठ्यक्रम और केत्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र</li> <li>तेत्र केती आप आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.</li> <li>तेत्र संस्थान.</li> <li>तेतक खेती भारत और संस्थान.</li> <li>आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.</li> <li>जैविक खेती प्रणाली:</li> </ul> </li></ul>	4.	. पूर्व पेक्षा		सभी के लिए खुला है किसी भी संकाय से कोई भी विद्यार्थी इस			
(कोर्स लर्निंग आउटकम )  में आत्मिनिर्भर बनाने में सहायक होगा.  यह सिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयौग के साथ सतत क्रिष विधाओं क्रिष व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित ज्ञान प्रदान करता है.  यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.  ध्या अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रवंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  सह लाभ्रदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  सह लाभ्रदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  सह लाभ्रदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  सह लाभ्रदायक व्यवसाय के किए विश्लेष्णात्मक कौशल विवस्त अंक 100 न्यूनतम अंक 40  पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P: इकाई विषय  1. जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता, पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वस्तु स्थिति भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.		यदि कोई हो		पाठ्यक्रम को ले सकता है.			
यह सिधान्तो और विधाओं के नवीनतम अनुप्रयोग के साथ सतत क्रि विधाओं क्रि व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.     यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.     छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए तिकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए तिकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय के लिए तिकसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय किसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय करता किसित करता है .      यह लाभदायक व्यवसाय किसित करता है .      यह लाभदायक व्यवस	5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की	परिलब्धियां	यह पाठ्	यह पाठ्यक्रम जैविक खेती के रोजगार मुख और कौशल उन्मुख क्षेत्र		
सतत क्रिष विधाओं क्रिष व्यवसाय के लिए व्यापक रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.  • यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.  • छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रिडिट मान 4 क्रिडिट  7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40  पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय वस्तु भाग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय वस्तु भाग - व  व्याख्यान की संख्या  1 . 1.जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.		(कोर्स लर्निंग आउटकम	)	में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा.			
रोजगार सम्बंधित जान प्रदान करता है.  • यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.  • छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवेधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभ्रदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रडिट मान 4 क्रडिट  7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40				•	यह सिधान्तो और	विधाओं के नवीनतम अनुप्रयौग के साथ	
यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री     उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.     ध्यत्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती     प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक     खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत     में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेषणात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय अपित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय अपित करता है.     यह लाभदायक करता कै विश्लेषणात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक व्यवसाय अपित करता है.     यह लाभदायक विकसित करता है.     यह लाभदायक करता है.     यह लाभदायक विश्लेषणात्मक कौशल     विकसित करता है.     यह लाभदायक के लिए विश्लेषणात्मक कौशल					सतत क्रिष विधाओं	ं क्रिष व्यवसाय के लिए व्यापक	
उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.  • छात्र अपना खेत विकसित कर सकते हैं जैविक खेती प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रडिट मान  4 क्रडिट  7. कुल अंक  पाठ्यक्रम की विषय वस्तु आग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P: इकाई विषय  1. जैविक खेती  1.1 - परिआषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.							
				• यह एक उधमी और संभावित वाणिजियक जैविक सामग्री			
प्रशिक्षक या प्रदर्शक, जैविक उत्पाद आपूर्तिकर्ता, जैविक खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रडिट मान 4 क्रडिट  7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40  पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P: इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1. 1.जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.				उत्पाद के रूप में रोजगार योग्यता कोशल विकसित करेगा.			
खेत प्रवंधक और फलो उधान विकास और प्रबंधन के क्षेत्र में अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रडिट मान 4 क्रडिट  7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40				•		·	
# अवसरों की तलाश कर सकते हैं.  • यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .  6. क्रडिट मान 4 क्रडिट  7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40  ***********************************				•			
यह लाभदायक व्यवसाय के लिए विश्लेष्णात्मक कौशल विकसित करता है .      अडिट मान							
विकसित करता है .   6. क्रिडेट मान   4 क्रिडेट     7. कुल अंक   अधिकतम अंक 100  न्यूनतम अंक 40				_			
6.       क्रिडिट मान       4 क्रिडिट         7.       कुल अंक       अधिकतम अंक 100       न्यूनतम अंक 40         पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब         ट्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:         इकाई       विषय       व्याख्यान की संख्या         1.       1.अविक खेती       1.1 - पिरिभाषा, अवधारणा और विकास       1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र         1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.       1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.       15         1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थिति भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.       1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.         2 .       जैविक खेती प्रणाली:				-			
7. कुल अंक अधिकतम अंक 100 न्यूनतम अंक 40  \text{VIQUART की विषय वस्तु भाग - ब}  च्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1. 1.जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.  2 . जैविक खेती प्रणाली:	_						
पाठ्यक्रम की विषय वस्तु भाग - ब  व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1. विषय व्याख्यान की संख्या  1. गंजीवक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.							
व्याख्यान की कुल संख्या - 60: L-T-P:  इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1 . 1.जैविक खेती  1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास  1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र  1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.  1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.  1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.	7.	कुल अक				न्यूनतम अक 40	
इकाई विषय व्याख्यान की संख्या  1 .		<u> </u>		म की विष	य वस्तु भाग - ब		
<ol> <li>1. जैविक खेती</li> <li>1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास</li> <li>1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र</li> <li>1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना.</li> <li>1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती.</li> <li>1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.</li> <li>1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.</li> <li>2 . जैविक खेती प्रणाली:</li> </ol>		<u> </u>	L-T-P:			0 :	
1.1 - परिभाषा, अवधारणा और विकास 1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र 1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना. 1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती. 1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.						व्याख्यान की संख्या	
1.2 रास्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्षेत्र 1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना. 1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती. 1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.	1.	·	- 4 0				
1.3 लाभ और आवश्यकता , पारम परिक खेती के बीच तुलना. 1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती. 1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थिति भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.		· ·					
1.4 सिद्धांत,प्रकार और बायोडायनामिक खेती. 1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.							
1.5 राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय वस्तु स्थित भारत में जैविक खेती से सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान. 1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.			•		15		
सम्बंधित एजेंसियां और संस्थान.  1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.  2 . जैविक खेती प्रणाली:							
1.6 आवश्यकतायें औजार और उन्नत यांत्रिक उपकरण.         2 . जैविक खेती प्रणाली:							
2 . जैविक खेती प्रणाली:							
		1.0 आपरपकताय जाजा	र आर उन्नत	41144) D	14/ <b>(</b> ~1.		
1.1 जैविक खेती में भूमि की तैयारी.	2 .	जैविक खेती प्रणाली:					
		1.1 जैविक खेती में भूवि	मे की तैयारी.				

1.2 जैविक खेती में बीज उपचार					
	1.3 हरी खाद कम्पोस्टिंग सिद्धांत,अवस्थाएं, प्रकार और कारक खाद 15				
	1.4 जैव, उर्वेरक, प्रकार, उपयोग के तरीके, फायदा और नुक्सान.				
	1.5 शुद्ध जैविक खेती और एकीकृत गहन क्रिष प्रणाली .				
3.					
	1.1 हर्बल पेस्टनाशी और कीटनाशक				
	1.2 सामान्य रोग और खरपतवार प्रबंधन				
	1.3 कीटों का जैविक नियंत्रण				
	1.4 ब्नियादी उत्पादन सिद्धांत विभिन्न जैविक फसल उत्पादन				
	पद्धतियाँ.	15			
	1.5 रोपण कलेंडर तैयार करना और उसकी समझ				
	1.6 फसल चक्र और फसल प्रणाली				
	1.7 आध्निक सिंचाई तकनीक,कटाई,कटाई के वाद की रणनीतियां				
	,भंडारण,पैकेजिंग परिवहन और आपूर्ति.				
4.	1.क्रिष अर्थ व्यवस्था और भविष्य की संभावनाएं				
	1.1 क्रिष अर्थशास्त्र की मूल अवधारणा- मांग और आपूर्ति				
	1.2 उत्पादन लागत और मार्केटिंग रणनीतियां.				
	1.3 जैविक खेती में भविष्य की संभावनाएं.	15			
	1.4 जैविक खेती में आई टी का प्रयोग (मौसम, क्रषि, और बाजार				
	सम्बन्धी जानकारी और एप्स )				
	1.5 जैविक प्रमाणीकरण (नीति और प्रक्रिया)				
	1.6 भारतीय मानक सरकारी सब्सिडी.				
	भाग-स : अनुशंसित पुस्तकें				
1. भारद्वाज , के के आर गौर ए सी जैविक कचरे का पुनःचकरण नई देहली 2018.					
	2. सिंह परिहार आर बी जैविक खेती क्रसक दूत प्रकाशन भोपाल 2009.				